हरिभूमि
विराट भूमि
शहडोल | बुढ़ार | धनपुरी | ब्यौहारी | जयसिंहनगर | बाणसागर

जबलपुर, बुधवार 13 मई 2026
login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

बुढ़ार में स्टेट बार काउंसिल के लिए बरसे वोट, दांव पर दिग्गजों की साख

शहडोल। मध्य प्रदेश स्टेट बार काउंसिल के 5 वर्षीय कार्यकाल के लिए मंगलवार को बुढ़ार सिविल न्यायालय में चुनावी रणभेरी गूंज उठी। 23 सदस्य पदों के लिए हुए इस महामुकाबले में तहसील के 334 अधिवक्ताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग कर प्रत्याशियों की किस्मत मतपेटियों में कैद कर दी। पीठासीन अधिकारी सुशीला अग्रवाल के कुशल निर्देशन में सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक चली वोटिंग में वकीलों के बीच जबरदस्त उत्साह देखा गया। वरीयता के आधार पर होने वाले इस चुनाव में हर एक वोट निर्णायक माना जा रहा है। जबलपुर स्टेट बार के तत्वाधान में संपन्न हुई यह प्रक्रिया पूरी तरह शांतिपूर्ण और निष्पक्ष रही। अब सबकी नजरें परिणामों पर टिकी हैं कि वकीलों की इस मिनी सरकार में कौन बाजी मारता है और किसे हार का सामना करना पड़ता है।

सशस्त्र सेना झण्डा दिवस निधि में सराहनीय योगदान पर कलेक्टर को मिला प्रशंसा पत्र

शहडोल। प्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल द्वारा सशस्त्र सेना झण्डा दिवस 2024-25 में कलेक्टर डॉ. केदार सिंह को निर्धारित लक्ष्य राशि रुपये 5,15,500 से अधिक 5,58,267 धन राशि एकत्रित करने में सराहनीय योगदान करने पर शील्ड एवं प्रशंसा पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह को जिला सैनिक कल्याण अधिकारी श्री विलास अमने ने कलेक्ट्रेट परिसर के विराट सभागार में शील्ड एवं प्रशंसा पत्र सौंपा। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शिवम प्रजापति, अपर कलेक्टर श्रीमती मिनिषा पाण्डेय सहित अन्य अधिकारियो को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

कमिश्नर कार्यालय में आयोजित हुई जनसुनवाई

शहडोल। अमरकंटक सभाकक्ष में संयुक्त आयुक्त विकास मुद्रिका सिंह की उपस्थिति में साप्ताहिक जनसुनवाई आयोजित की गई। आयोजित जनसुनवाई में संयुक्त आयुक्त विकास ने संभाग के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे लोगों की समस्याएं एवं शिकायतें सुनीं। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त आवेदनों का समय-सीमा में प्रभावी निराकरण सुनिश्चित किया जाए। जनसुनवाई के दौरान शहडोल जिले के ग्राम मझगंवा निवासी भोल्ली सिंह ने सीमाकंन के नाम पर ली गई राशि वापस दिलाने, ग्राम दुलादर निवासी रामप्रकाश शुक्ला ने विद्युत ट्रांसफार्मर लगवाने, ग्राम बरदौहा निवासी विश्वनाथ बैगा ने भूमि का सीमाकंन कराने, ग्राम केशवाही निवासी शिवकुमार मिश्रा ने तालाब की लीज निरस्त करने संबंधी आवेदन दिया। संयुक्त आयुक्त विकास ने सभी प्राप्त आवेदनों को संबंधित विभागों को प्रेषित करते हुए शीघ्र कार्रवाई एवं निराकरण के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने ईव्हीएम वेयरहाउस का किया निरीक्षण

शहडोल। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. केदार सिंह ने कलेक्ट्रेट परिसर स्थिति ईव्हीएम वेयरहाउस का बाह्य निरीक्षण किया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्रीमती मिनिषा पाण्डेय, कार्यपालन यंत्री जल संसाधन प्रतीक खरे, निर्वाचन पर्यवेक्षक संजय खरे, राजनैतिक दल से विष्णुप्रताप सिंह, अरफाना बेगम सहित उपस्थित रहें।

पेड़ के नीचे दबने से बुजुर्ग की दर्दनाक मौत

शहडोल। जिले में बेखौफ जारी जंगलों का सीना चीरने वाले माफिया अब इंसानी जानों के दुश्मन बन बैठे हैं। गोहपारू थाना क्षेत्र के ग्राम चोरमरा में मंगलवार को अवैध पेड़ कटाई के दौरान एक भीषण हादसा हो गया, जिसमें 60 वर्षीय बुजुर्ग हीरा लाल साहू की विशालकाय पेड़ के नीचे दबने से मौके पर ही मौत हो गई। इस हृदय विदारक घटना ने इलाके में सनसनी फैला दी है।

बैकडोर एंट्री से एपीसी बने अरविंद पांडे की कुर्सी पर संकट, कमिश्नर से हुई शिकायत

अवैध नियुक्तियों पर हाई कोर्ट का कड़ा प्रहार

शहडोल।

मध्य प्रदेश के शिक्षा विभाग में प्रतिनियुक्ति और पदस्थापनाओं के खेल में एक बड़ा खुलासा हुआ है। जबलपुर उच्च न्यायालय ने एक अहम फैसले में स्पष्ट किया है कि सहायक परियोजना समन्वयक के पद पर अरविंद कुमार पांडे की नियुक्ति प्रक्रिया पूर्णतः विधि विरुद्ध और संदेहास्पद है। न्यायालय की तल्ख टिप्पणियों के बाद अब यह मामला प्रशासनिक गलियारों में तूल पकड़ता जा रहा है। शिकायतकर्ताओं ने अब संभाग के कमिश्नर और जिले के कलेक्टर को दस्तावेजी सबूतों के साथ पत्र सौंपकर तत्काल कार्रवाई करने और पांडे को उनके मूल पद पर वापस भेजने की मांग की है।

एडीपीसी का प्रभार भी अवैध करार

हाई कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि चूंकि पांडे की एपीसी पद पर नियुक्ति ही वैधानिक नहीं है, इसलिए उन्हें एडीपीसी (अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक) जैसा महत्वपूर्ण अतिरिक्त प्रभार देना भी पूरी तरह गलत है। कोर्ट ने कहा कि जब मूल नियुक्ति ही संदिग्ध है, तो उससे जुड़े अन्य प्रभार भी विधि सम्मत नहीं रह जाते हैं। योग्यता के मामले में भी यह पाया गया कि पांडे सीनियर लेक्चरर हैं और वे हाई स्कूल प्राचार्य की आवश्यक योग्यता नहीं रखते हैं।

जबलपुर उच्च न्यायालय का बड़ा फैसला

न्यायधीश विशाल धगत की एकल पीठ ने रिट याचिका की सुनवाई करते हुए अरविंद कुमार पांडे (प्रतिवादी क्रमांक 5) की नियुक्ति पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। याचिकाकर्ता नरेन्द्र प्रसाद मिश्रा द्वारा दायर इस याचिका में आरोप लगाया गया था कि पांडे बिना किसी वैध प्राधिकार के एपीसी और अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक के पदों पर कार्यरत

हैं। न्यायालय ने अपने आदेश के बिंदु क्रमांक 11 में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया है कि जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार साक्षात्कार के लिए केवल एक व्यक्ति, ब्रजेशधर द्विवेदी ने जानकारी प्रस्तुत की थी। इससे यह प्रमाणित होता है कि अरविंद कुमार पांडे ने साक्षात्कार में शामिल होने के लिए निदेशालय के कार्यालय में कोई आवश्यक प्रमाण पत्र या जानकारी जमा नहीं की थी। कोर्ट ने इसे एक तरह की बैकडोर एंट्री मानते हुए कहा कि पांडे की नियुक्ति की प्रक्रिया कानून की नजर में खराब है।

कमिश्नर कार्यालय में गूंजा मामला

इस अदालती आदेश के बाद शहडोल के एक अन्य शिकायतकर्ता अजय कुमार मोटवानी ने मोर्चा खोल दिया है। मोटवानी ने 12 मई 2026 को कमिश्नर, शहडोल संभाग को एक विस्तृत शिकायत पत्र सौंपा है। शिकायत में उल्लेख किया गया है कि अरविंद कुमार पांडे ने न्यायालय के 17 फरवरी 2026 के आदेश और उसके बाद खारिज हुई पुनर्विचार याचिका के बावजूद पद का मोह नहीं छोड़ा है। शिकायतकर्ता श्री मोटवानी ने आरोप लगाया है कि पांडे ने अवैध रूप से पद पर बने रहकर कई वित्तीय नोटशीट और चेकों पर हस्ताक्षर किए हैं, जो सीधे तौर पर वित्तीय अनियमितता और न्यायालय की अवमानना की श्रेणी में आता है। उन्होंने मांग की है कि पांडे को तत्काल प्रभाव से हटाकर उनके मूल पद उच्च माध्यमिक शिक्षक पर वापस भेजा जाना चाहिए।

ग्वालियर का उदाहरण देकर सख्त कार्रवाई की मांग

शिकायत पत्र में मोटवानी ने लोक शिक्षण संचालनालय, भोपाल के उस आदेश का भी हवाला दिया है, जिसमें ग्वालियर के तत्कालीन प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी हरिओम चतुर्वेदी को विभागीय लापरवाही और अदालती आदेशों की अनदेखी के कारण तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया था। शिकायतकर्ताओं का तर्क है कि जब ग्वालियर में लापरवाही पर कार्रवाई हो सकती है, तो शहडोल में नियम विरुद्ध जमे अधिकारियों को संरक्षण देना गलत है।

प्रशासनिक स्तर पर कार्रवाई का इंतजार

याचिकाकर्ता नरेन्द्र प्रसाद मिश्रा ने भी कलेक्टर शहडोल को आवेदन देकर हाई कोर्ट के आदेश का पालन सुनिश्चित करने का आग्रह किया है। यह मामला अब जिले में गहन चर्चा का विषय बन गया है कि कैसे एक कर्मचारी, जिसकी नियुक्ति को स्वयं उच्च न्यायालय ने संदेहास्पद और दोषपूर्ण माना है, वह अब भी महत्वपूर्ण प्रशासनिक दायित्वों का निर्वहन कर रहा है। अब स्थानीय प्रशासन की निष्पक्षता पर सभी की नजरें टिकी हैं कि क्या इस मामले में कोई ठोस अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाती है।

कलेक्ट्रेट में साप्ताहिक जनसुनवाई आयोजित कलेक्टर ने सुनीं आमजन की समस्याएं

शहडोल।

साप्ताहिक जनसुनवाई का आयोजन किया गया। जनसुनवाई में कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने जिले के विभिन्न दूरस्थ क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों की समस्याएं एवं शिकायतें गंभीरता से सुनीं तथा संबंधित अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में शहडोल जिले के ग्राम गोडिनबूडा निवासी मिलसो राव ने निजी भूमि से अवैध कब्जा हटवाने, ग्राम हर्रा टोला निवासी बब्बू बैगा ने रोड निर्माण हेतु ली गई जमीन के बदले मुआवजा दिलाने, ग्राम चुहिरी निवासी महन्तु जायसवाल ने जमीन का सीमाकंन कराने, मो. फजिल धनपुरी निवासी ने निजी भूमि में किये जा रहे निर्माण कार्य को रूकवाने, ग्राम हर्रा टोला निवासी भैयालाल गड़ारी ने भूमि का सीमाकंन कराने, ग्राम बरगंवा निवासी फूल सिंह ने नल जल योजना के तहत किये गए कार्यों को पूर्ण कराने, ग्राम बुधसार निवासी बद्री प्रसाद मौर्य ने व्हीलचेयर प्रदाय करने हेतु आवेदन किया। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने सभी प्राप्त आवेदनों को संबंधित विभागों के अधिकारियों को प्रेषित करते हुए शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं का समय-सीमा में निराकरण प्रशासन की प्राथमिकता है। जनसुनवाई में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री शिवम प्रजापति सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

भ्रष्टाचार और अय्याशी का अड्डा बने सरकारी आवास, सिविल विभाग की मौन सहमति

चचाई।

बाड़ ही जब खेत को खाने लगे, तो फसल की सुरक्षा कौन करेगा? यह कहावत वर्तमान में अमरकंटक ताप विद्युत गृह, चचाई के सिविल विभाग पर सटीक बैठती है। जहाँ एक ओर विभाग का काम परिसर की व्यवस्था और रखरखाव सुनिश्चित करना है, वहीं दूसरी ओर अधिकारियों की नाक के नीचे भ्रष्टाचार, अवैध कब्जे और अनैतिक गतिविधियों का काला खेल धड़ल्ले से फल-फूल रहा है।

रखरखाव के नाम पर बजट की बंदरबांट

सूत्रों की मानें तो सिविल विभाग के अधिकारियों का पूरा ध्यान केवल साल भर के बजट को ठिकाने लगाने पर केंद्रित रहता है। गाजर घास की कटाई, नालियों की सफाई और आवासों की पुताई के नाम पर हर साल लाखों-करोड़ों रुपये का वारा-न्यारा किया जाता है। चहेते ठेकेदारों को काम बांटकर उनसे मोटी कमीशन वसूली जाती है, जबकि धरातल पर काम की गुणवत्ता शून्य है। दशकों पुराने आवास आज जर्जर हाल में हैं, लेकिन कागजों पर उनकी मरम्मत का खेल बदस्तूर जारी है।

आवासों पर अवैध कब्जा और रसूखदारों की साठगांठ

विद्युत गृह परिसर, विशेषकर डबल डी (नाला पार) क्षेत्र में हालात बेहद चिंताजनक हैं। स्थानीय जानकारी के अनुसार, लगभग 30 से 40 प्रतिशत आवासों पर बाहरी और अपात्र लोगों का कब्जा है। नाम न छापने की शर्त पर स्थानीय लोगों ने बताया कि विद्युत गृह के डिसटीब्यूशन विभाग के कुछ कर्मचारी, जो अब अनूपपुर और अन्य स्थानों पर स्थानांतरित हो चुके हैं, उन्होंने आज भी यहाँ के आवासों पर अवैध कब्जा जमा रखा है। इतना ही नहीं, कुछ लोग जो पूर्व में कोल इंडिया में कार्यरत थे और वर्षों पहले यहां से जा चुके हैं, उनके नाम पर भी आवास आवंटित हैं और उनमें बाहरी लोग निवास कर रहे हैं। सिविल विभाग के कुछ अधिकारियों ने मिलीभगत कर इन सरकारी मकानों को निजी लाभ के लिए किराए की दुकान बना लिया है। यहाँ शिक्षा विभाग, पुलिस और पंचायत के नाम पर भी कई बाहरी लोग बिना किसी वैध आवंटन के रह रहे हैं, जिनसे विभाग को फूटी कौड़ी का राजस्व नहीं मिल रहा।

अय्याशी और अनैतिक गतिविधियों का केंद्र

सबसे भयावह पहलू इन आवासों में बढ़ रही सामाजिक गंदगी है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि सुनसान और अवैध कब्जे वाले ये आवास अब अय्याशी के अड्डे में तब्दील हो चुके हैं। यहां रात के अंधेरे में रसूखदारों और असमाजिक तत्वों का जमावड़ा लगता है, जहां दारूखोरी के साथ-साथ जिस्म की प्यास बुझाने का घिनौना खेल खेला जा रहा है। ये सरकारी आवास अब परिवारों के रहने लायक नहीं बल्कि अनैतिक कृत्यों की शरणस्थली बन गए हैं। अधिकारी सब कुछ जानकर भी अनजान बने हुए हैं क्योंकि इस अवैध तंत्र की जड़ें विभाग के भीतर तक धंसी हुई हैं। मरम्मत के नाम पर लाखों का भ्रष्टाचार और दूसरी तरफ किराए की अवैध वसूली ने संस्थान की छवि को धूमिल कर दिया है। क्या प्रशासन इस सफेदपोश भ्रष्टाचार और परिसर में पनप रही इस गंदगी पर लगाम लगाएगा? क्षेत्र की जनता अब ठोस कार्रवाई का इंतज़ार कर रही है।

अधिकारियों की निजी सेवा में दौड़ रही गाड़ियाँ, भ्रष्टाचार का खुला खेल

एसईसीएल में वाहन ठेके के नाम पर अंधेरगर्दी

अधिकारियों की निजी ऐय्याशी का जरिया बनीं अनुबंधित गाडिय़ां ई-वाहनों की चार्जिंग में भी बड़ा गोलमाल

शहडोल।

साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) के विभिन्न क्षेत्रों में इन दिनों सरकारी संसाधनों की लूट मची हुई है। विशेष रूप से सोहागपुर एरिया और क्षेत्रीय कार्यालयों में अधिकारियों ने अनुबंधित वाहनों को अपनी निजी जागीर बना लिया है। जो गाडिय़ां केवल दफ्तर के काम के लिए ली गई हैं, उनका उपयोग अधिकारियों के परिवार द्वारा शॉपिंग, पिकनिक और रिश्तेदारों को स्टेशन छोडऩे के लिए किया जा रहा है।

अधिकारियों की निजी सेवा में जुटी गाडिय़ां

विश्वस्त सूत्रों के अनुसार, एक रसूखदार अधिकारी के परिवार को रोजाना बुढ़ार फॉरेस्ट ऑफिस लाने-ले जाने के लिए एसईसीएल

की गाड़ी का दुरुपयोग किया जा रहा है। इतना ही नहीं, जिले के बाहर बिलासपुर, रायपुर और अन्य राज्यों तक निजी दौरों के लिए इन गाडिय़ों को धड़ल्ले से दौड़ाया जा रहा है। यदि कोई गाड़ी मालिक इस निजी गुलामी से इनकार करता है, तो अधिकारी उसे एब्सेंट लगाने और भुगतान रोकने की धमकी देकर प्रताड़ित करते हैं।

ई-वाहनों में बिजली चोरी का खेल

भ्रष्टाचार का सबसे नया तरीका इलेक्ट्रिक गाडिय़ों में देखने को मिल रहा है। अनुबंध के अनुसार ठेकेदार को स्वयं के खर्च पर फास्ट चार्जर लगाना था, लेकिन अधिकारियों से सांठगांठ कर ये गाडिय़ाँ एसईसीएल की सरकारी बिजली से चार्ज की जा रही हैं। यह सीधे तौर पर कोल प्रबंधन के साथ धोखाधड़ी और राजस्व की चोरी है।

नई के बदले पुरानी गाडिय़ों का सिंडिकेट

एरिया में बैठे कुछ रसूखदार अधिकारियों का टारगेट सिर्फ भ्रष्टाचार है। बड़े ठेकेदार बाहर से ठेका लेते समय कागजों पर नई गाडिय़ाँ दिखाते हैं, जो कुछ दिन चलने के बाद वापस चली जाती हैं। उनकी जगह पुरानी और खटारा गाडिय़ाँ लगा दी जाती हैं। अधिकारियों की मिलीभगत के कारण इन पुरानी गाडिय़ों पर कोई कार्रवाई नहीं होती, जबकि गरीब गाड़ी मालिक को 12 की जगह 20-20 घंटे गाड़ी चलाने पर मजबूर किया जाता है।

फर्जी लॉग-बुक और भुगतान में देरी

गाडिय़ों के आने-जाने का लेखा-जोखा रखने वाली लॉग-बुक पूरी तरह से फर्जी भरी जा रही है। अधिकारियों द्वारा दो-दो, तीन-तीन महीने तक हस्ताक्षर नहीं किए जाते, ताकि बाद में मनमर्जी से किलोमीटर बढ़ाकर भ्रष्टाचार को अंजाम दिया जा सके। ड्राइवरों को भी कुछ लालच देकर इस अवैध खेल में शामिल किया गया है।

पारदर्शिता की मांग

जागरूक नागरिकों और वाहन मालिकों ने मांग की है कि एसईसीएल के हर गेट पर वाहनों की इन-आउट एंट्री अनिवार्य हो, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि कौन सी गाड़ी कितने घंटे और कहां चली है। इस पूरे सिंडिकेट की उच्च स्तरीय जांच होने पर एरिया कार्यालय में बैठे कई बड़े चेहरों का बेनकाब होना तय है।

ग्राम सिंहपुर एवं बोडरी में जन गणना कार्य का किया निरीक्षण

शहडोल।

अपर कलेक्टर एवं जिला जनगणना अधिकारी सरोधन सिंह ने ग्राम सिंहपुर एवं बोडरी में जनगणना कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों द्वारा किए जा रहे मकान सूचीकरण एवं मकान गणना कार्य का जायजा लिया तथा निर्धारित प्रारूप के अनुसार गुणवत्तापूर्ण एवं समयसीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर ने कहा कि जनगणना शासन की महत्वपूर्ण प्रक्रिया है, जिसके आधार पर विभिन्न विकास योजनाओं का निर्माण एवं प्रभावी क्रियान्वयन किया जाता है। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक परिवार की जानकारी सावधानीपूर्वक दर्ज की जाए तथा कार्य में किसी प्रकार की त्रुटि न हो। अपर कलेक्टर ने ग्रामीणों से चर्चा करते हुए जनगणना कार्य में सहयोग करने की अपील भी की। उन्होंने कहा कि सही जानकारी उपलब्ध कराने से शासन की योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक बेहतर तरीके से पहुंच सकेगा। इस अवसर पर संबंधित विभागीय अधिकारी, पर्यवेक्षक एवं प्रगणक उपस्थित रहे।

दिव्यांग की लाचारी पर भारी पड़ी ऑटो चालक की अय्याशी, मुआवजा राशि के 3 लाख डकारे

शहडोल। इंसानियत को शर्मसार कर देने वाला एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां एक जालसाज ऑटो चालक ने एक बेबस, अनपढ़ और दिव्यांग विधवा महिला के भरोसे का खून कर दिया। ग्राम केरहा निवासी कुसुम कोल, जिसने एक हादसे में अपना पैर गंवा दिया था, अब अपने ही हक की पाई-पाई के लिए दर-दर की ठोकरें खाने को मजबूर है। आरोप है कि विचारपुर निवासी ऑटो चालक योगेश ने धोखाधड़ी कर पीड़िता के बैंक खाते से 3,00,000 की पूरी मुआवजा राशि साफ कर दी।

पीड़िता कुसुम कोल ने पुलिस अधीक्षक को सौंपे शिकायती पत्र में बताया कि कुछ समय पूर्व एक ऑटो और ट्रैक्टर की भिड़ंत में उसने

अपना एक पैर गंवा दिया था। इस भीषण हादसे के बाद ट्रैक्टर मालिक ने मानवीयता दिखाते हुए उसे भविष्य के गुजारे और इलाज के लिए 3,00,000 की सहायता राशि दी थी। लेकिन पीड़िता को क्या पता था कि जिस ऑटो चालक योगेश के भरोसे वह प्रतिदिन सफर करती थी, वही उसकी मदद के नाम पर गिद्ध की तरह घात लगाए बैठा है।

पीड़िता के मुताबिक, योगेश ने उसकी अशिक्षा का फायदा उठाकर झांसा दिया कि वह उसकी रकम बैंक में सुरक्षित रखवा देगा। अनपढ़ होने के कारण कुसुम ने उस पर भरोसा कर बैंक दस्तावेजों पर अंगूठा लगा दिया। शातिर आरोपी ने पीड़िता की जानकारी के बिना उसका एटीएम कार्ड और अन्य बैंकिंग सुविधाएं अपने कब्जे में ले लीं और धीरे-धीरे खाते से पूरे तीन लाख रुपये उड़ा लिए। जब पीड़िता बैंक पहुंची, तो उसके पैरों तले जमीन खिसक गई, उसके खाते में फूटी कौड़ी भी नहीं बची थी।

आज आलम यह है कि एक दिव्यांग मां और उसका मजदूर बेटा दाने-दाने को मोहताज हैं। पीड़िता को सरकार से मात्र 600 की मामूली पेंशन मिलती है, जो इस कमरतोड़ महंगाई में नाकाफी है। चौंकाने वाली बात यह है कि आरोपी योगेश ने साक्ष्यों को उलझाने के लिए जनवरी 2026 में पीड़िता के खाते में 1000 जमा किए थे, जो इस बात का सीधा प्रमाण है कि उसके पास खाते का पूरा एक्सेस था।

इस मामले में पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठ रहे हैं। पीड़िता ने बताया कि उसने कोतवाली थाना शहडोल में शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। दस्तावेजों पर कोतवाली प्रभारी के नाम जारी निर्देशों में मामले की गंभीरता को देखते हुए 4 साल पुराने साक्ष्य जुटाने और एफआईआर दर्ज करने की बात कही गई है।

खबर संक्षेप

15 मई को युवा संगम रोजगार मेला

उमरिया। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि युवा संगम रोजगार मेले का आयोजन 15 मई को सुबह 11 बजे से शासकीय आईटीआई उमरिया में आयोजित किया गया है। मेले में रावया फ्रोर्स प्राइवेट, एमआरएफ टायर गोवा,श्री राम फायनेंस, एसबीआई इंशोरेंस उमरिया, प्रथम एजुकेशन जबलपुर, वर्धमान मंडीदीप भोपाल, एलआईसी उमरिया, टी एस पी एल ग्रुप पुणे, परफेक्ट सॉल्यूशन सर्विसेज अहमदाबाद, गोल्डन ऑर्गेनिक एग्रीकल्चर लिमिटेड, सेफ इंटेलिजेंट सिक्युरिटी सर्विस भिलाई कि कंपनी भाग लेंगी।

कलेक्टर ने जिले को किया जल अभाव ग्रस्त घोषित

उमरिया। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्रीमती राखी सहाय ने बताया कि जिले की सामान्य औसत वर्षा 1215.70 मि.मी. है। वर्ष 2024-25 में 1036.5 मि.मी. वर्षा हुई थी। जबकि वर्ष 2025-26 में 1373.6 मि.मी. वर्षा हुई है। जो सामान्य औसत वर्षा से अधिक है, किन्तु विगत वर्ष में अल्प वर्षा थी इस वर्ष सामान्य औसत वर्षा से 157.90 मि.मी. अधिक होने पर भी पेयजल स्त्रोतों का जल स्तर ग्रीष्म ऋतु में गिरना प्रारंभ हो गया है। जिससे ग्रीष्म ऋतु तक पेयजल संकट की विकराल संभावना से इंकार नही किया जा सकता है। भविष्य में पेयजल संकट की संभावित स्थिति को दृष्टिगत रखते हुए मध्यप्रदेश पेयजल परिरक्षण अधिनियम 1986 के अंतर्गत जिले में नवीन निजी हैण्डपम्प,नलकूप खनन तथा सतही स्त्रोतों जैसे स्टॉप डैम, चेक डैम, नदी, तालाब आदि के पानी को सिंचाई प्रयोजन के लिए प्रतिबंधित करना आवश्यक हो गया है, ताकि जल स्तर नीचे जाने से जिले में पेयजल की स्थिति प्रभावित न हो।
कलेक्टर एवं जिलादण्डाधिकारी श्रीमती राखी सहाय ने मध्यप्रदेश पेयजल परिरक्षण अधिनियम 1986 की धारा 3 में प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए सम्पूर्ण उमरिया जिले को जल अभाव ग्रस्त घोषित किया है । उक्त अधिनियम की धारा 6 (1) के अंतर्गत आदेशित किया है कि सम्पूर्ण उमरिया जिले में नवीन निजी हैण्डपम्प ,ट्यूबवेल उत्खनन कार्य तथा स्टाप डैम, चेकडैम, नदी, तालाब आदि के पानी को सिंचाई प्रयोजन के लिए आगामी आदेश तक प्रतिबंधित रहेगा,तथा आदेश के उल्लंघन पर प्रावधानों के अनुरूप वैधानिक कार्यवाही की जा सकेगी। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग उमरिया द्वारा पेयजल व्यवस्था हेतु खनन किए जाने वाले नलकूपो पर लागू नही होगा। यह आदेश तत्काल प्रभावशील हो गया है।

दुलहरा में ग्रामीण पर बाघ हमला

मानपुर। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के बफर जोन से सटे इलाकों में आदमखोर होते बाघों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। मंगलवार तडक़े मानपुर परिक्षेत्र के दुलहरा गांव में एक बाघ ने ग्रामीण पर जानलेवा हमला कर उसे अधमरा कर दिया। इस खूनी संघर्ष में 32 वर्षीय धर्मेंद्र बैगा पिता बाबूवा बैगा के सिर और पैर में गंभीर घाव आए हैं। प्राथमिक उपचार के बाद युवक की नाजुक हालत को देखते हुए उसे 108 एंबुलेंस से शहडोल मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार, धर्मेंद्र सुबह करीब 5 बजे गांव के पास स्थित सिद्ध बाबा ज्वालामुखी मंदिर गया था। वह संभल पाता, इससे पहले ही झाड़ियों में घात लगाकर बैठे बाघ ने दहाड़ते हुए उस पर हमला बोल दिया। बाघ ने युवक के सिर को अपने जबड़े में दबोचने की कोशिश की। ग्रामीणों के शोर मचाने के बाद बाघ जंगल की ओर भाग निकला, लेकिन तब तक धर्मेंद्र लहूलुहान होकर जमीन पर गिर चुका था। इस घटना ने वन विभाग की सुरक्षा और गश्त के दावों की पोल खोल दी है। ग्रामीणों का आरोप है कि पार्क प्रबंधन केवल कागजों पर चौकसी बरत रहा है, जबकि जमीनी हकीकत में बाघ अब बस्तियों और मंदिरों तक पहुंच चुके हैं। सवाल यह है कि आखिर कब तक आदिवासी ग्रामीण वन्य प्राणियों का निवाला बनते रहेंगे, क्षेत्र में इस समय आक्रोश और दहशत का माहौल है। लोगों ने मांग की है कि संवेदनशील इलाकों में गश्ती बढ़ाई जाए, वरना ग्रामीण उग्र आंदोलन के लिए मजबूर होंगे।

कछौहा पंचायत में बंदरबांट, न पुलिया में रिटर्न वॉल, न क्रॉस बैरियर

मानपुर जनपद में सरकारी खजाने की लूट, अफसर मौन!

कागज पर मजदूरों का भुगतान पर हकीकत में सन्नाटा

मानपुर। जनपद पंचायत अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायतें इन दिनों विकास के नाम पर भ्रष्टाचार के नए कीर्तिमान स्थापित कर रही हैं। वरिष्ठ अधिकारियों के संरक्षण में चल रहे इस खेल में शासन का बजट विकास कार्यों के बजाय जिम्मेदारों की जेबों में समा रहा है। ताजा मामला ग्राम पंचायत कछौहा का है, जहां जुगाड़ की चाशनी में डूबे निर्माण कार्यों ने पंचायत राज व्यवस्था की धज्जियां उड़ा दी हैं।

मोतीलाल के घर के सामने खतरे की पुलिया

ग्राम पंचायत कछौहा के सरैहा टोला में मोतीलाल पटेल के घर के सामने बनी पुलिया भ्रष्टाचार की जीती-जागती मिसाल बन गई है। इस पुलिया का निर्माण तो करा दिया गया, लेकिन तकनीकी मानकों को ताक पर रख दिया गया। हैरानी की बात यह है कि पुलिया में न तो रिटर्न वॉल बनाई गई और न ही क्रॉस बैरियर लगाए गए। बिना सुरक्षा घेरे के यह पुलिया अब किसी बड़े हादसे को न्योता दे रही है। नियमों की धज्जियां उड़ाने का आलम यह है कि निर्माण शुरू हुए 6 माह से अधिक का समय बीत चुका है, लेकिन आज तक मौके पर कोई सूचना पटल (बोर्ड) नहीं लगाया गया। ग्रामीणों को यह तक नहीं पता कि निर्माण एजेंसी कौन है, लागत कितनी है और काम किस मद से स्वीकृत हुआ है। यह अपारदर्शिता साफ इशारा करती है कि दाल में कुछ काला नहीं, बल्कि पूरी दाल ही काली है।

पसीना बहाने वाले आज भी प्यासे

कछौहा पंचायत में वित्तीय अनियमितताओं का एक और गंभीर पहलू सामने आया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस पुलिया निर्माण के लिए 2 लाख 86 हजार रुपये का बजट आवंटित था, जिसमें 50 हजार रुपये मजदूरी और 2 लाख 36 हजार रुपये सामग्री के लिए तय थे। दिसंबर 2025 से शुरू हुए इस कार्य में मेसर्स आर.के. इंटरप्राइजेज और पीयूष ट्रेडर्स नवगवां को सामग्री का भुगतान धड़ल्ले से किया गया। भुगतान की प्रक्रिया 29 मार्च 2026 तक चली। आश्चर्य की बात यह है कि मार्च में काम करने वाले मजदूरों का भुगतान हो चुका है, लेकिन 19 जनवरी 2026 को हाड़-तोड़ मेहनत करने वाले असली मजदूरों का पैसा आज भी अटका हुआ है।

निजी भू-खंडों पर सरकारी मेहरबानी

शिकायतें तो यहां तक हैं कि पंचायत के जिम्मेदारों ने सार्वजनिक हित को दरकिनार कर निजी भू-खंडों पर पुलिया निर्माण करा दिए हैं, जिसका स्थानीय स्तर पर कड़ा विरोध हो रहा है। इसके अ ला वा , निर्माण में उपयोग की गई रेत और गिट्टी की रॉयल्टी की यदि सूक्ष्म जांच हो जाए, तो एक बड़ा खनिज घोटाला उजागर हो सकता है। बिना वैध रॉयल्टी के चोरी के खनिज का उपयोग कर सरकारी राशि का आहरण किया गया है।

तकनीकी अमला खामोश

पूरी पंचायत में सचिव-सरपंच और रोजगार सहायक अपनी मनमर्जी का राज चला रहे हैं। तकनीकी अमले (इंजीनियर) ने कभी भी स्टीमेट के विपरीत हो रहे कार्यों पर आपत्ति दर्ज नहीं की। ऐसा प्रतीत होता है कि नीचे से ऊपर तक कमीशन का पहिया इतनी तेजी से घूम रहा है कि किसी को जनता की सुविधाओं और शासन के नियमों की परवाह नहीं है। उमरिया कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय, जिला पंचायत सीईओ अभय सिंह ओहरिया और जनपद सीईओ अंकित सिरोठिया से क्षेत्र की जनता को बड़ी उम्मीदें हैं। ग्रामीणों ने मांग की है कि अधिकारी स्वयं मौके पर आकर जमीनी हकीकत देखें। भ्रष्टाचार के इस दलदल में डूबे सरपंच, सचिव और इंजीनियर पर सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि शासन की योजनाओं का लाभ असल हकदारों को मिल सके और सरकारी राशि का दुरुपयोग रुक सके।

कलेक्ट्रेट जनसुनवाई में 92 आवेदकों की समस्याएं सुनी गईं

आवेदकों के लिए बैठने और पेयजल की समुचित व्यवस्था रही

उमरिया। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में कलेक्टर राखी सहाय ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे 92 नागरिकों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं। जनसुनवाई में भूमि विवाद, राजस्व प्रकरण, पेंशन, आवास, बिजली, पानी सहित विभिन्न विभागों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए गए। कलेक्टर श्रीमती सहाय ने सभी आवेदनों का अवलोकन करते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई में प्राप्त प्रकरणों का संवेदनशीलता और प्राथमिकता के आधार पर निराकरण किया जाए, ताकि आमजन को शीघ्र राहत मिल सके। दूर-दराज से आए आवेदकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए जनसुनवाई स्थल पर बैठने की समुचित व्यवस्था की गई थी। साथ ही पेयजल की उपलब्धता भी सुनिश्चित की गई, जिससे उपस्थित नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

जनसुनवाई में महोबादादर निवासी गुड्डी बाई, छोटे सिंह, कामता और सुनील ने ओलावृष्टि से क्षतिग्रस्त मकानों के लिए सहायता राशि दिलाने संबंधी आवेदन प्रस्तुत किया। वहीं पाली निवासी गुलाब चौधरी एवं शिवपाल चौधरी ने अमृत सरोवर तालाब में ट्रैक्टर-ट्रॉली से किए गए कार्यों की भुगतान राशि दिलाने की मांग की।

इसी प्रकार उजान निवासी निम्मू लाल ने बिजली बिल में सुधार कराने, सविता महोबिया ने पटवारी द्वारा सीमांकन कराने, पुराना पड़ाव निवासी नत्थू लाल ने किसान सम्मान निधि की राशि दिलाने तथा भुंडी निवासी इंद्रसेन साहू ने अपनी पुत्री सानवी साहू को लाड़ली लक्ष्मी योजना का लाभ दिलाने संबंधी आवेदन दिया। मझौली खुर्द निवासी रोहित लाल महरा ने कूप निर्माण की राशि दिलाने, धमोखर निवासी शोभा कोल ने पिछले दो माह का वेतन दिलाने तथा चंदवार निवासी अंजू बैगा ने प्रधानमंत्री आवास योजना की द्वितीय किश्त दिलाने की मांग प्रशासन के समक्ष रखी। जनसुनवाई के दौरान अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेन गुप्ता,संयुक्त कलेक्टर अमित सिंह सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे। जिला प्रशासन द्वारा जनसुनवाई के माध्यम से नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

जनसुनवाई बनी संवेदनशील शासन का प्रभावी माध्यम

प्रियंका को मिली व्हीलचेयर एवं मोलिशा को उपचार हेतु एनआरसी में कराया गया भर्ती

उमरिया। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के **संवेदनशील एवं जनकल्याणकारी सुशासन के अनुरूप उमरिया जिले की जनसुनवाई जरूरतमंदों के लिए उम्मीद और राहत का सशक्त माध्यम बनती जा रही है। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय के मार्गदर्शन में प्रशासन द्वारा आमजन की समस्याओं पर त्वरित और मानवीय दृष्टिकोण से कार्रवाई की जा रही है, जिससे शासन की सकारात्मक सोच धरातल पर साकार होती दिखाई दे रही है।**

जनसुनवाई में बिरसिंहपुर पाली निवासी प्रीतमलाल ने अपनी दिव्यांग पुत्री प्रियंका के आवागमन में हो रही कठिनाइयों से अवगत कराते हुए व्हीलचेयर उपलब्ध कराने का आवेदन प्रस्तुत किया। मामले की गंभीरता को समझते हुए कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय के निर्देश पर सामाजिक न्याय विभाग ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए प्रियंका को व्हीलचेयर उपलब्ध कराई।व्हीलचेयर मिलने से प्रियंका के जीवन में नई सुविधा और आत्मविश्वास का संचार हुआ है तथा अब वह अपने दैनिक कार्य अधिक सहजता और स्वतंत्रता के साथ कर सकेंगी। इसी प्रकार जिला मुख्यालय उमरिया निवासी कोमल वंशकर ने अपनी बेटी मोलिशा के उपचार हेतु जनसुनवाई में आवेदन प्रस्तुत किया। बच्ची की स्वास्थ्य स्थिति को देखते हुए कलेक्टर श्रीमती सहाय ने महिला एवं बाल विकास विभाग तथा स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीम को तत्काल आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। प्रशासन की संवेदनशील पहल पर मोलिशा को जिला अस्पताल स्थित पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी) में भर्ती कराया गया, जहां विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों की निगरानी में उसका उपचार एवं पोषण संबंधी देखभाल की जा रही है। इन दोनों मामलों में प्रशासन की त्वरित कार्रवाई ने यह स्पष्ट किया है कि जनसुनवाई केवल शिकायत निवारण का मंच नहीं, बल्कि आमजन की समस्याओं के समाधान और उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रभावी माध्यम बन रही है। जरूरतमंदों तक समय पर सहायता पहुंचाना ही राज्य शासन की जनहितैषी और संवेदनशील कार्यप्रणाली का वास्तविक स्वरूप है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक योजनाओं और सहायता का लाभ पहुंचाने के लिए निरंतर प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई में रेड स्पोर्ट्स एमपी द्वारा स्पोर्ट्स एंड फिटनेस कैंप का शुभारंभ

चचाई। अमरकंटक ताप विद्युत गृह, चचाई में कार्यपालक निदेशक तनवीर अहमद के विशेष प्रयासों एवं मार्गदर्शन में द्वारा 30 दिवसीय "स्पोर्ट्स एंड फिटनेस कैंप" का आयोजन किया जा रहा है। इस कैंप का उद्देश्य बच्चों एवं युवाओं को खेलों के प्रति जागरूक करना, शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ बनाना तथा अनुशासन और टीम भावना का विकास करना है। कैंप में प्रतिभागियों को फिटनेस ट्रेनिंग, रनिंग, योग, एथलेटिक्स, आउटडोर गेम्स, मोटिवेशनल एक्टिविटी एवं विभिन्न खेल कौशलों का प्रशिक्षण अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा प्रदान किया जाएगा। कैंप के माध्यम से बच्चों में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता एवं स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने का प्रयास किया जा रहा है। कार्यपालक निदेशक तनवीर अहमद ने कहा कि खेल केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं बल्कि व्यक्तित्व विकास का महत्वपूर्ण आधार है। ऐसे आयोजन बच्चों और युवाओं को सकारात्मक दिशा प्रदान करते हैं तथा उन्हें नशे एवं मोबाइल की लत जैसी बुराइयों से दूर रखने में सहायक होते हैं। के प्रतिनिधियों ने बताया कि कैंप के दौरान प्रतिभागियों की फिटनेस जांच, दैनिक प्रशिक्षण एवं विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया जाएगा। स्थानीय अभिभावकों एवं नागरिकों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए महत्वपूर्ण कदम बताया। यह 30 दिवसीय स्पोर्ट्स एंड फिटनेस कैंप अमरकंटक ताप विद्युत गृह, चचाई के फुटबॉल ग्राउंड में आयोजित किया जा रहा है, जिसमें बड़ी संख्या में बच्चे एवं युवा उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं।

यूसीमास एसएलसी प्रतियोगिता में माँ शारदा एबाकस क्लासेस के विद्यार्थियों का उत्कृष्ट प्रदर्शन

चचाई। विगत दिनों इंदौर में 1 एवं 2 मई को आयोजित यूसीमास एसएलसी प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों से आए यूसीमास सेंटरों के विद्यार्थियों ने सहभागिता की। इस प्रतियोगिता में माँ शारदा एबाकस क्लासेस, चचाई (अनूपपुर) के विद्यार्थियों ने अभूतपूर्व प्रदर्शन करते हुए संस्थान का नाम गौरवान्वित किया। प्रतियोगिता में संस्थान के कुल 12 विद्यार्थियों ने मेरिट में स्थान प्राप्त किया, 10 विद्यार्थियों को कंसोलेशन प्राइज मिला तथा एक विद्यार्थी ने तीसरा रनर अप पोजीसन प्राप्त कर विशेष उपलब्धि हासिल की। यूसीमास (यूनिवर्सल कॉन्सेप्ट मेंटल अरिथमेटिक सिस्टम) के संस्थापक एवं अध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. डिनो वोंग इस प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि रहे। 3 मई को आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में उन्होंने माँ शारदा एबाकस क्लासेस, चचाई-अनूपपुर की फ्रेंचाइजी एवं सीआई श्रीमती आहुलु गिदवानी को विद्यार्थियों की उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया तथा बच्चों को पुरस्कार प्रदान किए। अनूपपुर निवासी कु. आरुषि सिंह, पिता संजय सिंह ने प्रतियोगिता में 3 तीसरा रनर अप ट्रॉफी प्राप्त की। मेरिट प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों मे नेत्रिका दौलतानी, पिता मनीष दौलतानी चचाई जागृति सिंह, पिता लवकुश सिंह चचाई, अश्विना बरपात्रे, पिता रमन बरपात्रे चचाई, आराध्या तिवारी, पिता जितेंद्र तिवारी चचाई नित्या तितरमारे, पिता कृष्ण कुमार तितरमारे चचाई प्रतीक सिंह, पिता जय सिंह चचाई, आयुष्मान खरे, पिता आशीष खरे चचाई, आश्रिता सिंह एवं प्रत्युषा सिंह, पिता अमित सिंह चचाई, समृद्धि वर्मा, पिता विनोद वर्मा चचाई, वान्या कोस्ती, पिता संजय कोस्ती चचाई, कोयांश टेकाम, पिता अनिल टेकाम चचाई रहे। इसके अतिरिक्त संस्थान के 10 विद्यार्थियों को कंसोलेशन प्राइज प्राप्त हुआ। जिनमें कृश्रेयस पारते, प्राशा हजारी निवासी चचाई एवं आरोही बैगा एवं कु. अन्वेषा बैगा निवासी विवेकनगर प्रत्यक्षा पांडेय, श्रद्धा बैगा, अनिका परतेती, पिता अजय परतेती नेहल कोडापे, पिता प्रमोद कोडापे, रिद्धेश कुबड़े, पिता राकेश कुबड़े तथा ईकेश्वर कुशवाहा, पिता अजय कुशवाहा निवासी चचाई रहे। संस्थान की इस उपलब्धि पर अभिभावकों एवं क्षेत्रवासियों ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

खबर संक्षेप

विश्वविद्यालय में 12 मई से भरे जाएंगे परीक्षा फॉर्म

शहडोल। पंडित शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय ने स्नातक प्रथम वर्ष के छात्र-छात्राओं के लिए परीक्षा का काउंटडाउन शुरू कर दिया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने सत्र 2026 की परीक्षाओं के लिए आवेदन और टाइम-टेबल की घोषणा कर दी है। फरमान साफ है—तैयारी पूरी कर लें, वरना एक छोटी सी चूक साल बर्बाद कर सकती है। विश्वविद्यालय द्वारा जारी अधिसूचना के मुताबिक, स्नातक प्रथम वर्ष (नियमित और स्वाध्यायी) के लिए परीक्षा फॉर्म भरने की प्रक्रिया 12 मई 2026 से शुरू होगी, जो 23 मई तक चलेगी। प्रबंधन ने सख्त हिदायत दी है कि प्राइवेट (स्वाध्यायी) छात्रों को नामांकन और परीक्षा फॉर्म दोनों भरना अनिवार्य है, जबकि नियमित छात्रों को केवल परीक्षा फॉर्म की प्रक्रिया पूरी करनी होगी। छात्रों की धडक़नें बढ़ाने वाली खबर यह है कि परीक्षाओं का आगाज 5 जून 2026 से होने जा रहा है। परीक्षा के लिए एडमिट कार्ड 26 मई से पोर्टल पर उपलब्ध करा दिए जाएंगे। विवि प्रशासन ने दो टूक शब्दों में कहा है कि आवेदन की समय सीमा में कोई ढील नहीं दी जाएगी, इसलिए छात्र अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना प्रक्रिया पूरी करें। किसी भी भ्रामक जानकारी से बचने के लिए विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर ही भरोसा करें। समय रहते फॉर्म भरें, ताकि परीक्षा केंद्र और प्रवेश पत्र को लेकर अंतिम समय में कोई हाई वोल्टेज ड्रामा न हो।

बाइक चालक पर एक हजार रूपये का जुर्माना

कटनी। शहर में ध्वनि प्रदूषण फैलाने और यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ बरही पुलिस द्वारा अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस ने मॉडिफाइड साइलेंसर लगाकर तेज आवाज करने वाली बुलेट मोटरसाइकिल पर कार्रवाई की। थाना प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार चौबे के निर्देशन में पुलिस टीम ने चेकिंग के दौरान बुलेट मोटरसाइकिल को पकड़ा। वाहन में अवैध रूप से मॉडिफाइड साइलेंसर लगा पाया गया, जिस पर चालक के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए 1000 रूपये का जुर्माना लगाया गया तथा मौके पर ही साइलेंसर निकलवाकर जब्त किया गया। पुलिस द्वारा शहर में विशेष चेकिंग अभियान चलाकर तेज आवाज करने वाले और अवैध मॉडिफिकेशन वाले वाहनों पर लगातार चालानी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वाहनों में अवैध साइलेंसर या अन्य मॉडिफिकेशन न करें तथा नियमों का पालन करें।

हादसे में घायल दो युवकों की इलाज दौरान मौत

कटनी। स्लीमनाबाद एवं बड़वारा क्षेत्र में हुये सड़क हादसों में घायल दो युवकों की इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस के अनुसार स्लीमनाबाद थाना अंतर्गत नेशनल हाईवे पर हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में घायल नरेन्द्र यादव 27 वर्ष निवासी उरई उमरा जिला सागर ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। बताया जा रहा है कि 16 अप्रैल को हुई दुर्घटना में नरेन्द्र को गंभीर चोटें आई थीं, जिसका इलाज चल रहा था। स्लीमनाबाद पुलिस ने मर्ग कायम कर डायरी संबंधित थाने भेजने की कार्यवाही की है। इसी तरह बड़वारा थाना क्षेत्र में भी सड़क हादसे बरही के बड़ागांव निवासी रणबहादुर सिंह 24 वर्ष की मौत हो गई। रणबहादुर रविवार रात सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गया था। उसे शासकीय अस्पताल बड़वारा ले जाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल प्रबंधन की सूचना पर पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के लिए भेजा है।

बिना अनुमति बोरिंग पर की गई कार्रवाई, वाहन किया जब्त

कटनी। स्लीमनाबाद पुलिस ने बिना अनुमति बोरिंग कर रहे वाहन पर कार्रवाई करते हुए उसे जब्त किया है। पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष डेहरिया एवं एसडीओपी स्लीमनाबाद आकांक्षा चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी सुदेश कुमार के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। पुलिस को 9-10 मई की दरम्यानी रात सूचना मिली कि ग्राम भेड़ा टेक में बिना अनुमति बोर मशीन से नलकूप खनन किया जा रहा है।

11 केवी की चपेट में आने से युवक की गई जान

उमरिया। विकास की इबारत लिखने वाले हाथों को क्या पता था कि वही हाथ उसकी मौत का सामान तैयार कर रहे हैं। जिले के इंदवार थाना क्षेत्र के ग्राम कछरा टोला (कुदरी) में मंगलवार सुबह एक दर्दनाक हादसे ने पूरे इलाके को दहला दिया। प्रधानमंत्री आवास निर्माण में लगे 23 वर्षीय मजदूर आशीष कोल की 11 हजार केवी हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई। लापरवाही और बदइंतजामी के बीच एक गरीब परिवार का चिराग पल भर में बुझ गया।

लोहे की रॉड बनी काल का ग्रास

जानकारी के अनुसार, ग्राम चंसुरा निवासी आशीष कोल पिता ननबुद्धि कोल मंगलवार सुबह मजदूरी के लिए कुदरी गया था। वह आवास निर्माण के लिए लोहे के सरियों से बीम तैयार कर रहा था। काम के दौरान जैसे ही उसने लोहे की लंबी रॉड उठाई, ऊपर से गुजर रही मौत की हाईटेंशन लाइन ने उसे अपनी ओर खींच लिया। रॉड के तार से टकराते ही जोरदार धमाका हुआ और आशीष बुरी तरह झुलसकर जमीन पर गिर पड़ा।

अस्पताल में थमी सांसें, पसरा सन्नाटा

घटना के बाद निर्माण स्थल पर चीख-पुकार मच गई। साथी मजदूरों ने आनन-फानन में अचेत आशीष को अमरपुर अस्पताल पहुंचाया, लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था। डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर सुनते ही परिजनों के पैरों तले जमीन खिसक गई, जवान बेटे का शव देख माता-पिता की चीखें कलेजा चीर देने वाली थीं।

लापरवाही पर सुलगते सवाल

यह हादसा महज इत्तेफाक नहीं, बल्कि सुरक्षा मानकों की अनदेखी का नतीजा है। आखिर रिहायशी इलाकों और निर्माण स्थलों के इतने करीब से हाईटेंशन लाइनें क्यों गुजर रही हैं। फिलहाल, पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है, लेकिन बड़ा सवाल यह है कि आशीष के परिवार को उजाडऩे वाली इस सिस्टम की लापरवाही का जिम्मेदार कौन है, पूरे गांव में इस समय सन्नाटा है और ग्रामीणों में बिजली विभाग के प्रति भारी आक्रोश देखा जा रहा है।

युवक ने मासूम बेटियों को सड़क पर पीटा

शहडोल। जिला मुख्यालय से सटे बुढ़ार में महिला सुरक्षा के तमाम दावों की धज्जियां उड़ाते हुए एक रसूखदार बदमाश ने हैवानियत की सारी हदें पार कर दीं। रेलवे स्टेशन के पास रहने वाले एक गरीब प्रवासी परिवार की मासूम बेटियों के साथ न केवल सरेआम छेडख़ानी की गई, बल्कि विरोध करने पर दरिंदे ने बीच सडक़ उनके बाल पकडक़र बेरहमी से मारपीट की। बेटियों के चीख-पुकार से पूरा इलाका दहल उठा, लेकिन रसूख के नशे में अंधे इस गुंडे को कानून का रत्ती भर भी खौफ नहीं था।

मिली जानकारी के अनुसार, बुढ़ार का यह स्थानीय युवक पिछले कई दिनों से इन मेहनतकश बच्चियों पर गंदी नजर रख रहा था। आरोप है कि वह पैसों के दम पर मासूमों को अनैतिक कार्यों के लिए मजबूर कर रहा था और उन्हें जबरन उठाने की फिराक में था। मंगलवार को जब इस युवक ने सरेआम अपनी हवस का जाल बिछाने की कोशिश की, तो इन बेटियों ने घुटने टेकने के बजाय रानी लक्ष्मीबाई का रूप धर लिया।

बच्चियों के साहसी विरोध और शोर मचाने पर जब उनके माता-पिता मौके पर पहुंचे, तो बौखलाए बदमाश ने सरेराह बच्चियों के बाल पकडक़र उन्हें जमीन पर पटक-पटक कर पीटना शुरू कर दिया। वहां मौजूद राहगीर तमाशबीन बने रहे, लेकिन किसी ने इस खौफनाक मंजर को मोबाइल में कैद कर लिया। अब यह वीडियो सोशल मीडिया पर जंगल की आग की तरह फैल रहा है, जिसमें बदमाश की हैवानियत साफ नजर आ रही है।

यह घटना बुढ़ार पुलिस की गश्त और सुरक्षा दावों के मुंह पर एक करारा तमाचा है। स्थानीय

लोगों में भारी आक्रोश है कि आखिर एक बदमाश की इतनी हिम्मत कैसे हुई कि वह सरेआम बेटियों की आबरू से खिलवाड़ करे। प्रशासन को अब बुलडोजर वाली सख्ती दिखानी होगी, वरना ऐसी घटनाएं खाकी के इकबाल को मिट्टी में मिला देंगी। ग्रामीणों ने साफ कर दिया है कि यदि आरोपी पर कठोरतम कार्रवाई नहीं हुई, तो वे सडक़ों पर उतरने को मजबूर होंगे।

कर्मचारियों की मनमानी कार्यप्रणाली से समय पर नहीं हो रहे कार्य, लोग परेशान

हरिभूमि न्यूज ⏭ बड़वारा

शासकीय कार्यालयों में कर्मचारियों की मनमानी में किसी भी तरह का कोई भी सुधार नजर नही आ रहा है। बड़वारा जनपद में कर्मचारियों की मनमानी व्याप्त- बड़वारा जनपद कार्यालय में इन दिनों कर्मचारियों की अपनी ही मनमर्जी चलती है जिनका जब जितने समय कार्यालय आने का मन हुआ आये वरना नहीं आये । जनपद कार्यालय बड़वारा में दूर दराज ग्रामीण क्षेत्रों से लोग शासकीय कार्य करबाने आते हैं किंतु कर्मचारियों के नही मिलने से निराश होकर वापस घर जाने को बाध्य होना पड़ता है। शासन द्वारा कर्मचारियों के कार्यालय वक्त पर आने व कार्यालय से कार्यदिवस समाप्त होने पर कार्यालय से जाने की सारी गतिविधियों की निगरानी के लिए लगवाये गए कैमरों से

फुटेज देखकर यदि कार्रवाई की जाए तो कर्मचारियों के समय पर कार्यालय आने व कुर्सी पर कर्मचारियों की मौजूदगी की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। जनपद कार्यालय में स्टाफ के अधिकतर कर्मचारी अप डाउन करते हैं जिसके चलते कार्यालय के कार्य प्रभावित होते हैं एवम दूरस्थ क्षेत्रों से कार्य करबाने आने वाले लोगों को भी हताश होना पड़ता है।

इनका कहना है

इस संबंध में जनपद सीईओ बड़वारा प्रभा तेकाम का कहना है कि मैं कुछ दिनों से अवकाश पर थी। आपके द्वारा कर्मचारियों की मनमानी व समय पर कार्यालय नही आने की जानकारी दी गई है मैं दिखवाती हूँ जिन लोगों ने लापरवाही की है उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

विजेता खिलाड़ियों को किया गया पुरस्कृत

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

फॉरेस्टर प्ले ग्राउंड में यूनिटी क्रिकेट क्लब कटनी द्वारा आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता का समापन समारोह सम्पन्न हुआ। समापन अवसर पर खेलप्रेमी एवं युवा खिलाड़ी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जिला पंचायत उपाध्यक्ष अशोक विश्वकर्मा मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए, विशिष्ट अतिथि के रूप में साक्षी शुक्ला उपस्थित रहीं।

समापन समारोह के दौरान प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाडिय़ों एवं विजेता टीमों को ट्रॉफी मेडल एवं प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। खिलाडिय़ों के सम्मान के दौरान मैदान तालियों की गूंज से भर उठा और खिलाडिय़ों में विशेष उत्साह देखने को मिला। प्रतियोगिता में शामिल सभी टीमों ने अनुशासन एवं खेल भावना का परिचय देते हुए शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला पंचायत उपाध्यक्ष अशोक विश्वकर्मा ने कहा कि खेलकूद केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि स्वस्थ शरीर, मजबूत मानसिकता और अनुशासित जीवन का आधार है।

उन्होंने आयोजन समिति की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं ग्रामीण एवं शहरी प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने का बेहतर मंच प्रदान करती हैं।

विशिष्ट अतिथि साक्षी शुक्ला ने खिलाडिय़ों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा देने में खेलों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने खिलाडिय़ों को भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर विरेंद्र तिवारी एवं आयोजन समिति के सदस्यों ने सभी अतिथियों का स्वागत किया तथा प्रतियोगिता के सफल आयोजन में सहयोग देने वाले सभी लोगों का आभार व्यक्त किया।

कलेक्ट्रेट के सामने किया पुतला दहन, पुलिस ने किया पानी की बौछार

अव्यवस्थाओं एवं कार्यप्रणाली के विरोध में ओबीसी महासभा ने किया प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

ओबीसी महासभा के कार्यकर्ताओं ने गेहूं खरीदी केंद्रों में हो रहे भ्रष्टाचार और पुलिस प्रशासन की कथित सुस्त कार्यप्रणाली के विरोध में कलेक्ट्रेट के सामने जमकर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान स्थिति तब तनावपूर्ण हो गई जब कार्यकर्ताओं ने विजयराघवगढ़ विधायक और ढीमरखेड़ा थाना प्रभारी का पुतला दहन किया। ओबीसी महासभा का आरोप है कि जिले के गेहूं खरीदी केंद्रों विशेषकर कांटी केंद्र पर किसानों के साथ अन्याय हो रहा है। कार्यकर्ताओं के अनुसार वहां घटिया अनाज तौला जा रहा है और भारी भ्रष्टाचार व्याप्त है। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि किसान अपनी समस्याओं को

लेकर परेशान हैं, लेकिन स्थानीय प्रशासन और विधायक इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं। इसी नाराजगी के चलते कार्यकर्ताओं ने विधायक का पुतला फूंका।

प्रदर्शन के दौरान ढीमरखेड़ा थाना प्रभारी पर भी गंभीर आरोप लगाए गए। महासभा के पदाधिकारियों का कहना है कि थाना प्रभारी क्षेत्र के दबंगों को संरक्षण दे रहे हैं। आदिवासियों की जमीन हड़पने वालों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। एक पीड़ित महिला को रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए पांच दिनों तक थाने के चक्कर काटने पड़े और अंत में उसे वहां से भगा दिया गया। इन आरोपों को लेकर कार्यकर्ताओं ने थाना प्रभारी का भी पुतला दहन किया। जैसे ही प्रदर्शनकारियों ने पुतला दहन शुरू किया वहां तैनात पुलिस बल ने उन्हें रोकने का प्रयास किया।

माहौल बिगड़ता देख और आग पर काबू पाने के लिए पुलिस को वॉटर कैनन (पानी की बौछार) का इस्तेमाल करना पड़ा। इस दौरान कलेक्ट्रेट के मुख्य द्वार पर काफी देर तक अफरा-तफरी और तनाव की स्थिति बनी रही। ओबीसी महासभा ने प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर मांग की हैं कि खरीदी केंद्र प्रभारी अनमोल दुबे को तुरंत हटाया जाए। ढीमरखेड़ा थाना प्रभारी को पदमुक्त किया जाए। संगठन ने साफ चेतावनी दी है कि यदि दोषियों पर जल्द कार्रवाई नहीं हुई, तो आने वाले दिनों में और भी उग्र आंदोलन किया जाएगा।

मां के बिना जीवन की कल्पना संभव नहीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

सिविल लाइन स्थित प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय में राजयोग केंद्र संचालिका बीके लक्ष्मी बहन के मार्गदर्शन और प्रियंका बहन वैष्णवी बहन के नेतृत्व में मातृ दिवस के अवसर पर आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम शुभारंभ करते हुए प्रियंका बहन ने कहा कि राजयोग एवं आध्यात्मिक मूल्यों के माध्यम से परिवारों में प्रेम शांति और संस्कार बढ़ाने पर जोर दिया उन्होंने कहा कि जब मां मानसिक रूप से सशक्त और संस्कारात्मक होती है तब पूरा परिवार सुखी और समृद्ध बनता है उन्होंने कहा कि मां है तो संसार है और संसार का पहला परिचय भी मां ही करती है मां के स्नेह अनुशासन और संस्कारों से ही अच्छे नागरिको का निर्माण होता है ।

बीके लक्ष्मी बहन ने कहा कि मां के बिना जीवन और इस सुंदर संसार की कल्पना संभव नहीं है बच्चों से अपनी मां को समय देने उनका सम्मान करने और उन्हें परिवार में उनकी विशेष भूमिका का एहसास करने का आव्हान किया उन्होंने कहा कि मां का प्यार निसार्थ और बिना किसी अपेक्षा के होता है भगवान हर जगह नहीं हो सकता मां को बनाया और मां बच्चों के जीवन की उसे ज्योति की तरह है जो खुद जलकर बच्चों के जीवन रोशन करती है । मातृ शक्तियों के सम्मान में बच्चों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी गई।

जीवन में मां का क्या महत्व है विषय पर गीत नृत्य के माध्यम से नन्हे बच्चों द्वारा माता के प्रति प्रेम और सम्मान व्यक्त किया गयासभी ने मात्र शक्तियों के महत्व पर अपना अपने विचार रखें । कार्यक्रम के समापन अवसर पर सभी को रोचक गेम खिलाए गएऔर मात्र शक्तियों का सम्मान कर बच्चों को पुरष्कृत किया गया । इस अवसर पर बीके अनिता बहन दुर्गा बहन वैष्णवी बहन नेहा बहन मंगला बहन मी ना बहन रानी शर्मा सहित अन्य का सहयोग रहा।

दो पक्षों के बीच जमकर हुई मारपीट, कई घायल

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

बरगवां क्षेत्र में एक स्पा सेंटर के सामने मामूली विवाद ने खूनी संघर्ष का रूप ले लिया। दो पक्षों के बीच हुई इस हिंसक झड़प में धारदार हथियारों का खुलकर इस्तेमाल हुआ जिससे क्षेत्र में दहशत का माहौल निर्मित हो गया। पुलिस ने इस मामले में अज्ञात युवकों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार लखेरा निवासी 21 वर्षीय विधान राय का कुछ स्थानीय युवकों के साथ किसी बात को लेकर विवाद हो गया। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ा कि दोनों पक्ष एक-दूसरे के खून के प्यासे हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बीच सड़क पर जमकर लात-घूंसे और धारदार हथियार चले। इस संघर्ष में विधान राय और उसके साथियों सहित दूसरे पक्ष के लोग भी घायल हुए हैं। सरेराह हो रहे इस उपद्रव की सूचना तत्काल पुलिस को दी गई लेकिन प्रत्यक्षदर्शियों का आरोप है कि सूचना मिलने के काफी देर बाद तक पुलिस मौके पर नहीं पहुंची।

50 हजार रुपए मांगने पर झूठी शिकायतों से प्रताड़ित करने का आरोप, निष्पक्ष जांच की मांग

75 वर्षीय दिव्यांग बुजुर्ग ने थाना पहुंच लगाई न्याय की गुहार

धनपुरी। धनपुरी कालरी नंबर-1 निवासी 75 वर्षीय दिव्यांग बुजुर्ग बालमुकुंद अग्रवाल ने थाना धनपुरी में आवेदन देकर एक व्यक्ति पर झूठी शिकायतों के माध्यम से मानसिक रूप से प्रताड़ित करने का गंभीर आरोप लगाया है। बुजुर्ग ने पुलिस प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी पर कड़ी कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

प्रार्थी बालमुकुंद अग्रवाल ने आवेदन में बताया कि वह लंबे समय से लीवर की गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं तथा दिव्यांग होने के कारण चलने-फिरने में भी अत्यधिक परेशानी होती है। स्वास्थ्य कारणों से वर्ष 2016 से वह अपने पुत्र के साथ भोपाल में रह रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि परिचित लाल मुसलमान ने ईंट भट्ठा व्यवसाय में लाभ होने का भरोसा देकर उनसे 50 हजार रुपए नगद उधार लिए थे। कई वर्षों तक पैसे लौटाने का आश्वासन दिया जाता रहा, लेकिन बाद में रकम लौटाने से इंकार कर दिया गया।

बुजुर्ग का कहना है कि जब उन्होंने अपनी रकम वापस मांगी तो उन्हें झूठे मुकदमों में फंसाने की धमकी दी गई। इसके बाद लगातार शिकायतें कर उन्हें मानसिक रूप से परेशान किया जा रहा है। उनका कहना है कि वृद्धावस्था और दिव्यांगता के चलते भोपाल से धनपुरी आना-जाना बेहद कठिन है, बावजूद इसके उन्हें बार-बार परेशान किया जा रहा है।

बालमुकुंद अग्रवाल ने आरोप लगाया कि अपनी गलती छिपाने और दबाव बनाने के उद्देश्य से झूठी शिकायतों का सहारा लिया जा रहा है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से निष्पक्ष जांच कर सच्चाई सामने लाने तथा दोषी पाए जाने पर संबंधित व्यक्ति के खिलाफ सख्त वैधानिक कार्रवाई करने की मांग की है।

मामले को लेकर नगर में चर्चा का माहौल बना हुआ है। वहीं लोगों का कहना है कि एक वृद्ध एवं दिव्यांग व्यक्ति को इस प्रकार परेशान किया जाना गंभीर विषय है, जिसकी निष्पक्ष जांच होना आवश्यक है।

खबर संक्षेप

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का भ्रमण कार्यक्रम

अनूपपुर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 13 मई को दोपहर 3:20 बजे नरसिंहपुर जिले से अनूपपुर जिले के बिजुरी के लिए प्रस्थान करेंगे तथा शाम 4:30 बजे हैलीपैड बिजुरी पहुंचेंगे एवं स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होंगे। तत्पश्चात शाम 5 बजे बिजुरी से जबलपुर के लिये प्रस्थान करेंगे।

7 सूत्रीय मांगों को लेकर धरना एवं चक्काजाम 15 को

कटनी। सात सूत्रीय मांगों को लेकर राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन एवं जय भारत मंच द्वय के द्वारा छोटी खिरहनी में दुर्गा चौक स्थित वर्षों पुराने जर्जर सामुदायिक भवन/ स्वा.भवन/ तालाब को कब्जा मुक्त कराने हेतु 15 मई को एक दिवसीय सांकेतिक धरना चक्काजाम का आयोजन समय 4.30 बजे आयोजित किया गया है जिसमें स्थानीय निवासियों के द्वारा उपरोक्त जनहितार्थ हेतु उपरोक्त आयोजन किया गया है उक्त धरना प्रदर्शन एवं चक्काजाम में सभी स्थानीय निवासियों एवं सामाजिक बन्धुओं से आग्रह है। उक्त प्रदर्शन में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने की मांग संगठन एवं मंच ने की है।

जिला स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक 15 मई को

कटनी। कलेक्टर आशीष तिवारी की अध्यक्षता में शुक्रवार 15 मई को शाम 4 बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई है। बैठक के दौरान पुलिस, वन, खनिज, राजस्व, आदिम जाति कल्याण, जल संसाधन, परिवहन, पशुपालन और विद्युत विभाग सहित सभी संबंधित विभागों को अद्यतन जानकारी के साथ अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिये हैं।

लाड़ली बहनों के खातों में कल आएगी राशि

कटनी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 13 मई को नरसिंहपुर जिले के गोटेगांव में 'मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना' की 36वीं किश्त जारी करेंगे। प्रदेश की 1 करोड़ 25 लाख 22 हजार 542 लाड़ली बहनों के बैंक खातों में 1,835 करोड़ 67 लाख 29 हजार 250 रूपये की राशि सिंगल क्लिक से अंतरित की जाएगी। लाड़ली बहना योजना महिलाओं के जीवन में आर्थिक सुरक्षा, आत्मविश्वास और सम्मान का आधार बन चुकी है।

महाविद्यालय को भेंट किया वाटर कूलर

स्लीमनाबाद। ग्रीष्मकालीन समय चल रहा है। गर्मी के इस दौर मै स्वामी विवेकानंद शासकीय महाविद्यालय स्लीमनाबाद के विद्यार्थियों को शीतल पेयजल की उपलब्धता हो सके इसके लिए स्लीमनाबाद निवासी समाजसेवी व शुभ भारत गैस ग्रामीण वितरक एजेंसी के संचालक ने नेक पहल करते हुए स्लीमनाबाद महाविद्यालय को वाटर कूलर सोमवार को भेंट किया जिससे अब विद्यार्थियों को अब शीतल पेयजल मिल सकेगा जिससे उनके कंठ तर होंगे! समाजसेवी संजय जैन की इस नेक पहल पर महाविद्यालय प्राचार्या डॉ सरिता पांडेय सहित प्रबंधन ने उन्हें बधाई दी।

बेमौसम बारिश ने उजाड़े किसानों के सपने

ओलावृष्टि से तबाह हुई टमाटर की खेती

खेतों में सड़ रही किसानों की मेहनत

अनूपपुर। अनूपपुर जिले के पुष्पराजगढ़ क्षेत्र में बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि किसानों के लिए भारी तबाही बनकर आई है। तेज हवाओं और लगातार बारिश ने टमाटर की तैयार फसल को पूरी तरह बर्बाद कर दिया है। खेतों में पानी भरने से टमाटर सड़ने लगे हैं, जिससे किसानों के सामने आर्थिक संकट गहरा गया है। लाखों रुपए की लागत डूबने से किसान परेशान हैं और अब प्रशासन से तत्काल सर्वे कर उचित मुआवजे की मांग कर रहे हैं ताकि अगली फसल की तैयारी कर सकें।जिले के पुष्पराजगढ़ क्षेत्र में हुई बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि ने किसानों की उम्मीदों को पूरी तरह तोड़ दिया है। खासकर टमाटर की खेती करने वाले किसान इस प्राकृतिक आपदा से सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। महीनों की मेहनत, दिन-रात की देखरेख और लाखों की लागत से तैयार फसल अब खेतों में सड़ती नजर आ रही है। तेज हवाओं के साथ हुई बारिश ने खेतों में पानी भर दिया, जिससे टमाटर की फसल पूरी तरह खराब हो गई है। कई किसानों ने कर्ज लेकर खेती की थी और उन्हें उम्मीद थी कि इस बार अच्छी पैदावार से आर्थिक स्थिति मजबूत होगी, लेकिन मौसम की बेरहम मार ने उनके सारे सपनों को मिट्टी में मिला दिया है। किसानों का कहना है कि अब हालत ऐसी हो चुकी है कि लागत निकालना भी मुश्किल लग रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि हर साल प्राकृतिक आपदा के बाद केवल सर्वे और आश्वासन मिलते हैं, लेकिन समय पर राहत नहीं पहुंचती है ऐसे में किसान प्रशासन से तत्काल सर्वे कर उचित मुआवजा देने और आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की मांग कर रहे हैं।

खेतों में सड़ने लगी लाखों की फसल

पुष्पराजगढ़ क्षेत्र के कई गांवों में टमाटर की फसल पूरी तरह बर्बाद हो चुकी है। खेतों में लगातार पानी भरा होने से टमाटर सड़ने लगे हैं और अब फसल बाजार में बेचने लायक भी नहीं बची है। किसानों का कहना है कि उन्होंने बड़ी उम्मीदों के साथ खेती की थी, लेकिन कुछ घंटों की बारिश और ओलावृष्टि ने महीनों की मेहनत खत्म कर दी है। खेतों में लाल टमाटरों की जगह अब सड़ांध और बर्बादी का मंजर दिखाई दे रहा है। कई किसानों ने मजदूरी और खाद-बीज के लिए कर्ज लिया था, जो अब उनके लिए बड़ा संकट बन चुका है।

कर्ज में डूबे किसान, टूटती जा रही उम्मीदें

प्राकृतिक आपदा के बाद किसान आर्थिक और मानसिक दोनों तरह के संकट से जूझ रहे हैं। किसानों का कहना है कि खेती में पहले ही लागत लगातार बढ़ रही थी, ऊपर से बेमौसम बारिश ने उन्हें पूरी तरह तोड़ दिया। जिन किसानों ने साहूकारों और बैंकों से कर्ज लेकर खेती की थी, अब उनके सामने कर्ज चुकाने का भी संकट खड़ा हो गया है। किसान परिवारों की चिंता इस बात को लेकर बढ़ गई है कि आखिर आने वाले

दिनों में घर का खर्च और अगली फसल की तैयारी कैसे होगी। कई किसानों ने शासन से तत्काल राहत पैकेज देने की मांग उठाई है।

हर साल आपदा, लेकिन राहत सिर्फ कागजों में

ग्रामीणों और किसानों का आरोप है कि हर साल प्राकृतिक आपदा के बाद प्रशासनिक अधिकारी सर्वे तो करते हैं, लेकिन राहत के नाम पर केवल आश्वासन मिलता है। किसानों का कहना है कि कई बार मुआवजा इतना कम मिलता है कि उससे लागत का छोटा हिस्सा भी पूरा नहीं हो पाता। यही वजह है कि किसानों में प्रशासन के प्रति नाराजगी बढ़ती जा रही है। ग्रामीणों ने मांग की है कि इस बार केवल कागजी कार्रवाई न हो, बल्कि वास्तविक नुकसान का आंकलन कर प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा दिया जाए ताकि वे आर्थिक संकट से बाहर निकल सकें।

मुआवजे की मांग तेज, प्रशासन पर टिकी निगाहें

फसल बर्बादी के बाद अब किसानों की नजर प्रशासनिक मदद पर टिकी हुई है। प्रभावित किसानों ने मांग की है कि तत्काल राजस्व विभाग की टीम भेजकर नुकसान का सर्वे कराया जाए और जल्द मुआवजा राशि जारी की जाए। किसानों का कहना है कि यदि समय पर आर्थिक सहायता नहीं मिली तो अगली फसल की तैयारी करना मुश्किल हो जाएगा। ग्रामीणों ने शासन से विशेष राहत पैकेज और कर्ज माफी जैसी मांगें भी उठाई हैं। अब देखना यह होगा कि प्रशासन किसानों की इस पीड़ा को कितनी गंभीरता से लेता है और राहत पहुंचाने में कितनी तत्परता दिखाता है।

खुलेआम बेचे जा रहे हैं प्लास्टिक कोटेड दोना-पत्तल

पर्यावरण के साथ जानवरों के लिए हानिकारक, विक्रय पर लगाम लगाने जिम्मेदार नाकाम

अनूपपुर/कोतमा। जिला मुख्यालय सहित कोतमा एवं कोयलांचल क्षेत्र के बाजारों में प्लास्टिक कोटेड दोना, पत्तल, गिलास धड़ल्ले से बेचे जा रहे हैं। जबकि इनके उपयोग के बाद खुले स्थानों में फेंके जाने से जहां पर्यावरण को नुकसान होता है वहीं जानवरों के द्वारा खा लेने से कई बार उनकी जान तक पर बन आती हैं। इसके बाद भी प्लास्टिक कोटेड दोना, पत्तल, गिलास पर रोक लगाने में जिम्मेदार नाकाम साबित हो रहे हैं। ऐसा नहीं है कि इन पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाली सामानों पर कार्यवाही नहीं की जा रही है। समय-समय में कार्यवाहियां भी की जाती हैं, लेकिन इन कार्यवाहियों का असर प्लास्टिक कोटेड सामग्री बेचने वाले दुकानदारों पर नहीं पड़ता दिखाई दे रहा है। समय-समय में नगर निकायों द्वारा बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित सामग्री जब्त कर नष्ट कराया जाता है, लेकिन

कार्यवाही के थमते ही इनका विक्रय फिर से शुरू हो गया है। स्थिति यह है कि शहर के बीच में जिला मुख्यालय सब्जी बाजार अंतर्गत कई दुकानों में प्लास्टिक के दोना, पत्तल सहित बाजार क्षेत्र में प्रतिबंधित थर्माकोल की प्लेटें, पॉलीथिन कोटेड दोना-पत्तल, डिस्पोजल

गिलास व पानी पाउच का विक्रय किया जा रहा है। पॉलीथिन कोटेड दोना-पत्तल, थर्माकोल की प्लेटें पर्यावरण के लिए नुकसानदायी हैं। मवेशियों के लिए यह काल बन जाती हैं। जमीन की उपजाऊ क्षमता को खत्म कर देती हैं। उचित निस्तारण नहीं होने से नालियां चोक हो रही हैं। कुछ पशु प्रेमियों ने बताया कि लोग थर्माकोल, प्लास्टिक की थालियों में भोजन कराकर उसे खुले में फेंक देते हैं, भोजन लगे होने से मूक जानवर उसे खा लेते हैं। कई बार ऐसी घटनाएं सामने आ चुकी हैं जिसमें मूक जानवरों के प्लास्टिक खा लेने से उनकी मौत तक हो चुकी है। इस पर सख्ती से प्रतिबंध लगाने की जरूरत है। प्रतिबंध के बावजूद शहर में प्लास्टिक कोटेड दोना-पत्तल, थर्माकोल की प्लेटों का बेरोकटोक विक्रय हो रहा है। इनका उपयोग प्राइवेट कार्यक्रमों से लेकर सरकारी आयोजनों में भी किया जा रहा है, आए दिन होने वाले विभिन्न सामाजिक आयोजनों में भी इन प्रतिबंधित सामग्रियों का जमकर उपयोग किया जा रहा है। इनका उपयोग कर सड़क पर कचरा फैला रहे हैं। जानकारों के अनुसार वर्तमान में विवाह मुहूर्त चल रहे हैं जिनमें इन प्रतिबंधित सामग्रियों का जमकर उपयोग किया जा रहा है।

मानव-हाथी द्वंद्व रोकने के लिए अनूपपुर में "गजरक्षक" ऐप का सहारा

रीयल-टाइम अलर्ट से बचेंगी जानें

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। अनूपपुर जिले के हाथी प्रभावित क्षेत्रों में अब मानव और हाथियों के बीच होने वाले संघर्ष को रोकने के लिए तकनीक का उपयोग किया जा रहा है। मध्यप्रदेश वन विभाग द्वारा विकसित "गजरक्षक" मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से अब ग्रामीणों को हाथियों की मौजूदगी की जानकारी पहले ही मिल जाएगी। वन मण्डलाधिकारी डेविड व्यंकटराव ने बताया कि यह ऐप हाथियों की रीयल-टाइम लोकेशन और उनके व्यवहार की निगरानी के लिए तैयार किया गया है। इसका उद्देश्य ग्रामीणों और उनके जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। जैसे ही हाथी आबादी वाले क्षेत्र की ओर बढ़ेंगे, यह ऐप वनकर्मियों और क्षेत्र के पंजीकृत ग्रामीणों को एसएमएस, वॉयस कॉल और सायरन के माध्यम से तत्काल सचेत कर देगा। ऐप के माध्यम से हाथियों के मूवमेंट की दिशा और सटीक लोकेशन देखी जा सकती है। इस डेटा की मदद से वन विभाग की टीम समय रहते हाथियों को सुरक्षित रास्ते पर मोड़ने या प्रभावित क्षेत्रों को खाली कराने की कार्यवाही कर सकेगी। वन मण्डलाधिकारी ने अपील की है कि अधिक से अधिक ग्रामीण इस एप्लीकेशन को अपने मोबाइल में डाउनलोड करें। उन्होंने विशेष रूप से आग्रह किया है कि ग्रामीण ऐप से आने वाले किसी भी नोटिफिकेशन या अलर्ट को ब्लॉक न करें। अक्सर सायरन या वॉयस कॉल को लोग सामान्य कॉल समझकर अनदेखा कर देते हैं, जो जानलेवा साबित हो सकता है। यह ऐप आपकी और हाथियों, दोनों की सुरक्षा के लिए है।

अवैध मदिरा के विरुद्ध आबकारी विभाग ने की कार्यवाही

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। वृत्त राजेन्द्रग्राम अंतर्गत अवैध शराब के संग्रहण की सूचना मिलने पर कार्यवाही की गई है। उक्ताशय की जानकारी जिला आबकारी अधिकारी खेमराज श्याम ने देते हुए बताया है कि ग्राम पोंड़की में दबिश देकर आरोपी रवि बंजारा पिता मुन्ना बंजारा के मकान से 12 बोतल बियर, 341 पाव देशी मदिरा एवं 01 बोतल विदेशी मदिरा एवं 01 हाफ बोतल विदेशी मदिरा बरामद कर आरोपी के विरुद्ध म.प्र. आबकारी अधिनियम की धारा 34 (1) (क) व 34 (2) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। जब्त मदिरा की कुल कीमत 67215 रुपये हैं। कार्यवाही के दौरान सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्रीमती सम्पतिया मरावी, आबकारी उप निरीक्षक कृष्णकांत उइके, आबकारी मुख्य आरक्षक सहजू सिंह परस्ते, आरक्षक ऋतुराज सिंह, महबूब अहमद खान, विक्रांत नामदेव एवं थाना अमरकंटक के सहायक उप निरीक्षक ईश्वर यादव एवं स्टॉफ उपस्थित रहे।

आज से होगा संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन

श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील

हरिभूमि न्यूजबदरा/जमुना। जिले के बदरा-जमुना क्षेत्र में आगामी दिनों में भक्ति, आस्था और आध्यात्म का भव्य संगम देखने को मिलेगा। वार्ड क्रमांक 07, भालूमाड़ा थाना के पास पसान स्थित गुड्डू मिश्रा एवं श्रीमती सीता मिश्रा के निवास पर 13 मई से 20 मई तक भव्य संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन को लेकर क्षेत्रभर में उत्साह का वातावरण बना हुआ है तथा तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। इस पावन धार्मिक आयोजन के मुख्य यजमान भगवानदास मिश्रा एवं श्रीमती भागवती मिश्रा हैं। कथा का वाचन विख्यात कथावाचक आचार्य पं. धर्मेन्द्र अवस्थी द्वारा किया जाएगा, जो अपने मधुर एवं ओजस्वी प्रवचनों से श्रद्धालुओं को भागवत कथा का रसपान कराएंगे। कथा के दौरान प्रतिदिन भजन, कीर्तन एवं धार्मिक प्रस्तुतियों से पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहेगा। आयोजक ने बताया कि यह आयोजन क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति एवं जनकल्याण की भावना से किया जा रहा है। उन्होंने क्षेत्रवासियों सहित आसपास के ग्रामीणों एवं श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर भव्य संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा का आनंद लेने एवं धर्म लाभ अर्जित करने की अपील की है। जानकारी के अनुसार आयोजन में श्रीमती रजना मिश्रा, अनुप मिश्रा (अन्नू), श्रीमती खुशबू मिश्रा, दिनेश मिश्रा, श्रीमती सोमा मिश्रा, नन्दकुमार मिश्रा (डब्बू), श्रीमती जूली मिश्रा एवं कृष्णकुमार मिश्रा (बंटी) सहित परिवार एवं क्षेत्र के अनेक श्रद्धालु सक्रिय रूप से सहयोग प्रदान कर रहे हैं। सभी के सहयोग से आयोजन को भव्य स्वरूप देने की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। कार्यक्रम के तहत 12 मई को शाम 4 बजे भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं एवं श्रद्धालु शामिल होंगे। कथा प्रतिदिन दोपहर 3:30 बजे से हरि इच्छा तक चलेगी, वहीं देव पूजन एवं मूल पाठ का कार्यक्रम भी निर्धारित समयानुसार संपन्न होगा। धार्मिक आयोजन को लेकर पूरे क्षेत्र में उत्साह का माहौल है तथा ग्रामीणों द्वारा आयोजन को सफल बनाने में सक्रिय सहभागिता निभाई जा रही है। आयोजकों को उम्मीद है कि यह श्रीमद् भागवत कथा क्षेत्र में आध्यात्मिक ऊर्जा, सामाजिक समरसता एवं धार्मिक चेतना का संदेश देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

जैन मंदिर परिसर में पांच दिनों तक गूंजते रहे मंत्रोच्चार, पूजन-अर्चन और आरती के स्वर

पंच दिवसीय श्री 1008 सिद्ध चक्र महामंडल विधान भक्ति एवं श्रद्धा के साथ संपन्न

अमरकंटक। पवित्र धार्मिक एवं आध्यात्मिक तीर्थ नगरी अमरकंटक में आयोजित पंच दिवसीय श्री 1008 सिद्ध चक्र महामंडल विधान का भव्य एवं दिव्य आयोजन मंगलवार 12 मई को पूर्ण धार्मिक विधि-विधान एवं आध्यात्मिक वातावरण के मध्य संपन्न हो गया। यह पावन आयोजन 7 मई से प्रारंभ हुआ था, जिसमें प्रतिदिन श्रद्धा, भक्ति और धर्ममय वातावरण की अद्भुत छटा देखने को मिली। यह आयोजन आर्यिका ऋजुमति माताजी एवं आर्यिका 105 तपोमति माताजी ससंघ के मंगलमय सानिध्य तथा ब्रह्मचारी अरुण भैया कटंगी

के पावन निर्देशन में संपन्न हुआ। आयोजन के दौरान संपूर्ण जैन मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर रहा तथा श्रद्धालुओं की सतत उपस्थिति ने धार्मिक उल्लास को और भी दिव्यता प्रदान की। पवित्र श्री 1008 आदिनाथ भगवान जैन मंदिर में प्रतिदिन प्रातःकाल सर्वप्रथम शांतिधारा का आयोजन हुआ, तत्पश्चात श्री 1008 आदिनाथ भक्ताम्बर विधान विधिपूर्वक संपन्न कराया गया। इसके उपरांत धार्मिक परंपराओं के अनुरूप पूजन, हवन, अर्चन एवं विविध आध्यात्मिक अनुष्ठान संपन्न हुए। अंत में भगवान आदिनाथ की भव्य एवं भक्तिमय आरती ने उपस्थित श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। श्री 1008 सिद्ध चक्र महामंडल विधान में विभिन्न पात्रों की धार्मिक भूमिकाएं श्रद्धापूर्वक निभाई गईं। सौधर्म इंद्र के रूप में देवेंद्र-निधि जैन, कुबेर इंद्र के रूप में सुनील-भारती जैन, भरत इंद्र के रूप में संदीप-सुषमा जैन तथा बाहुबली इंद्र के रूप में नीलेश-ज्योति जैन ने सहभागिता निभाई। वहीं महायज्ञ नायक के रूप में राजेंद्र-संध्या मोदी तथा श्रीपाल इंद्र के रूप में विनय-तुहिना जैन ने धर्मलाभ प्राप्त किया। महामंडलेश्वर की भूमिका में आदित्य-शालिनी जैन ने श्रद्धा एवं भक्ति के साथ विधान को संपन्न कराया। पूरे आयोजन में सर्वोदय तीर्थ क्षेत्र कमेटी अमरकंटक, सकल दिगंबर जैन समाज एवं क्षेत्रीय जैन समाज की सक्रिय सहभागिता रही। पांच दिनों तक मंदिर परिसर में धर्म, अध्यात्म, भक्ति एवं साधना का अनुपम वातावरण व्याप्त रहा, जिससे संपूर्ण अमरकंटक नगरी आध्यात्मिक ऊर्जा से आलोकित होती रही।

जनसुनवाई में सीईओ जिला पंचायत ने 49 आवेदन पत्रों में की सुनवाई

अनूपपुर। जिला स्तरीय जनसुनवाई कार्यक्रम मंगलवार को कलेक्ट्रेट स्थित नर्मदा सभागार में आयोजित किया गया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती अर्चना कुमारी ने 49 आवेदनों पर जनसुनवाई करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में अपर कलेक्टर दिलीप कुमार पाण्डेय, डिप्टी कलेक्टर सुश्री प्राशी अग्रवाल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भी आवेदकों की समस्याएं सुनी। जनसुनवाई के दौरान तहसील पुष्पराजगढ़ के ग्राम बरांझ निवासी कुसुम बाई ने सीमांकन कराए जाने, तहसील अनूपपुर के ग्राम बैहाटोला निवासी केशव प्रसाद केवट ने नक्शा तरमीम कराए जाने, तहसील पुष्पराजगढ़ के ग्राम पड़रिया निवासी उमेश कुमार यादव ने मिनी आयल मशीन संचालन हेतु विद्युत कनेक्शन दिलाए जाने, तहसील कोतमा के ग्राम पकरिहा निवासी रामावतार दुबे ने भूमि रिकार्ड में सुधार कराए जाने, तहसील अनूपपुर के ग्राम छोहरी निवासी श्यामलाल यादव ने प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाए जाने के संबंध में आवेदन दिए।

नाम सुधार सूचना

मैं मो. सहजाद उम्र 36 वर्ष पिता मो. सिराज निवासी वार्ड नं.-07 बनियाटोला, थाना व तहसील कोतमा, जिला - अनूपपुर (म.प्र.) का पुरतैनी निवासी हूँ, मैं शपथपूर्वक कथन करता हूँ कि मैं उपरोक्त पते का स्थायी निवासी हूँ। मेरा वास्तविक नाम मो. सहजाद (MD SAHZAD) है, जबकि मेरे पासपोर्ट में मोहम्मद सहजाद (MOHAMMAD SAHZAD) दर्ज है। उक्त दोनो नाम मेरे ही है। मैं अपने पासपोर्ट मे अपना सही नाम मो. सहजाद (MD SAHZAD) दर्ज कराकर पासपोर्ट अपडेट कराना चाहता हूँ जिस बावत यह शपथपत्र निष्पादित है।

BV 835264